

०५१०/११

आज पत्रावली पेश हुई। वादी व वादी वकील उप
नही बार-बार आवाने लगाई गई। अब सायंकाल
के ५ बजे चुके हैं। वादी या वादी वकील की ओर
से कोई आवेदन या रिप्लाइडर उप नहीं।
इसलिए दावा अफम हाजरी अफम परवी में
स्वामिज किया जाता है। पत्रावली केसल

किस्म

मुकदमा नं०

दिनांक

हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्स जज

नम्बर एवं तारीख आ
हुक्म की तामीर में ज

शुमार होकर / मन्तर से कम ही। बसा जिया
लेख मण्डार ही।


उपखण्डाधिकारी
मण्डार (अलवर) राज०